स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा - तृतीय खण्ड
(पंचम पत्र - हिन्दी कथा एवं नाट्य साहित्य)

- डॉ० मुन्ना साहू
हिन्दी विभाग
जे० के० कॉलेज

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर - सिन्दूर की होली

1 'सिन्दूर की होली' गद्य साहित्य की कौन-सी विधा है?
- नाटक

2. 'सिन्दूर की होली' के लेखक का नाम बताएँ?
- लक्ष्मी नारायण मिश्र

3. 'सिन्दूर की होली' नाटक का प्रथम संस्करण कब प्रकाशित हुआ?
- 91 वि०

4. 'सिन्दूर की होली' नाटक के प्रमुख स्त्री पात्र कौन-कौन हैं?
- चन्द्रकला, मनोरमा

5. 'मुरारीलाल' किस रचना का पात्र है?
- सिन्दूर की होली

6. "दशाश्वमेध घाट पर भिक्षुकों में एकाएक टुकड़े के लिए द्वन्द्व चल पड़ता है - वे सभी भूखे रहते हैं...ज्ञान के लिये वहाँ लेशमात्र भी जगह नहीं है। उन्हीं भिक्षुकों की तरह हो गई है तुम्हारी यह पुरुष जाति।"
'सिन्दूर की होली' नाटक में यह कथन किसका है?
- मनोरमा (मनोज से कहती है)

7. "कवि और गायक भावुक जीव होते हैं।" किस नाटक या रचना की पंक्ति है?
- सिन्दूर की होली

8. इस नाटक में ('सिन्दूर की होली') 'विधवा' नारी पात्र कौन है?
- मनोरमा

9. 'सिन्दूर की होली' नाटक में 'डिप्टी कलक्टर' के पद पर कौन-सा पात्र है?
- मुरारीलाल

10. 'मेरे भीतर आज चिरन्तन नारीत्व का उदय हुआ है। मेरी चेतना आज मेरे चारों ओर फैल रही है और तुम कहती हो मुझे उन्माद हो रहा है। मैं आज अपने पैरों पर खड़ी हो रही हूँ.... मुझे किसी दूसरे पुरुष की सहायता की जरूरत नहीं है।" यह पंक्तियाँ सिन्दूर की होली नाटक में किसके द्वारा कही गई है?

— चन्द्रकला

11. 'माहिरअली' नाटक में किस पद पर है?

— मुरारीलाल का मुंशी

12. मनोरमा की शादी कितने उम्र में हुई थी?

— आठ वर्ष

13. मनोरमा की शादी के कितने वर्ष बाद उसके पति की मृत्यु हो गई थी?

— दो वर्ष

14. "आजकल की शिक्षा में शब्दों का खिलवाड़ खूब सिखलाया जाता है।"

— 'सिन्दूर की होली' नाटक के किस पात्र का यह कथन है?

— मुरारीलाल

15. 'सिन्दूर की होली' नाटक में 'सिर फटने' से मृत शैया (घायल) की स्थिति किस पात्र की हो जाती है? (बदमाशों के वार से)

— रजनीकान्त

16. "सिन्दूर की होली' नाटक में कुल कितने अंक हैं?

— तीन अंक

(विधवा विवाह)

17. "विधवाओं के उद्धार के नाम पर यह आन्दोलन पुरुषों ने उठाया है अपने उद्धार के लिए। किसी प्रकृत- विधवा से पूछो, जो अभी तक पुरुषों के विषैले वातावरण में न आई हो.... देखो उसकी दृष्टि पृथ्वी में गड़ जाती है या नहीं।" यह पंक्तियाँ किस नाटक से उद्धृत हैं तथा किसका कथन है? — सिन्दूर की होली/मनोरमा